ट्रेन के एसी कोच से एक करोड़ की ज्वैलरी और नगदी चुराने वाली गैंग पकड़ी

चोरी करने वाली हरियाणा की अंतरराज्यीय गैंग के चार लोगों को गिरफ्तार किया

- पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवर और 5 लाख रुपए बरामद किए
- महिला यात्रियों के बैग से 65-70 तोला सोने के जेवर, चांदी और लाखों की नगदी चोरी हो गई थी

बीकानेर, (निसं)। अणुव्रत एक्सप्रेस ट्रेन में सफर के दौरान बड़ी चोरी के मामले का खुलाया हो गया है। 11 सितंबर को नागपुर से नोखा आ रही महिला यात्रियों के बैग से 65-70 तोला सोने के जेवरात, चांदी और 7-8 लाख की नगदी चोरी हो गई थी। चोरी करने वाली हरियाणा की अंतरराज्यीय गैंग के 4 लोगों को गिरफ्तार कर जीआरपी थाना बीकानेर ने वारदात का पर्दाफाश किया है, जो कि लोगों की मदद करने के बहाने सूटकेस उड़ा लेते थे। पुलिस ने गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात और 5 लाख रुपए नकद बरामद किए गए हैं। वारदात में इस्तेमाल बोलेरो जब्त की गई है।

पुलिस के अनुसार, 11 सितंबर को विक्रम रमेश राजपुरोहित की माताजी और बहन अणुव्रत एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 22631 से नागपुर से नोखा के लिए रवाना हुई थीं। दोनों का रिजर्वेशन बी-1 कोच में था। उनके पास दो ट्रॉली बैग सहित 3-4 अन्य बैग थे, जिन्हें सीट के नीचे रखा गया था। यात्रा के दौरान बैग से 65-70 तोला सोने के जेवरात, चांदी की पायजेब और अन्य आभूषण और 7-8 लाख रुपए नकद चोरी हो गए। इस संबंध में 14 सितंबर को जीआरपी थाना बीकानेर में रिपोर्ट दी गई। जीआरपी के अनुसार आरोपियों से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात और 5 लाख रुपए नकद बरामद किए गए हैं। प्रकरण में बाकी बचे हुए माल की बरामदगी और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। चारों आरोपी पुलिस रिमांड पर हैं और उनसे अन्य ट्रेन चोरी की वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

घटना में आरोपी की जान पहचान न होने के कारण पुलिस के सामने चुनौती थी। जीआरपी ने ट्रेनों में विशेष गश्त और निगरानी बढ़ाई। इसी तरह की वारदातों में शामिल अपराधियों का डाटा खंगाला गया और अणुव्रत एक्सप्रेस के रिजर्वेशन चार्ट का विश्लेषण किया गया। तकनीकी पहलुओं की जांच के दौरान पुलिस को गैंग के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिले। इसके बाद विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए वीरेंद्र कुमार, सुरेंद्र कुमार, सुनील कुमार और रणवीर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने 6-7 सदस्यों की गैंग बनाकर ट्रेनों में चोरी करना बताया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने इस वारदात को भी अंजाम देना स्वीकार किया है।

पुलिस के अनुसार गैंग के सदस्य मुख्य रूप से लंबी दूरी की ट्रेनों में वारदात करते थे। यात्री जब गंतव्य स्टेशन से पहले अपना सामान सीट से निकालकर गेट या गैलेरी के पास रखते थे, तब गैंग के सदस्य मदद करने के बहाने उनके आसपास पहुंच जाते थे। गैंग के कुछ सदस्य सामान को सीट से गेट तक पहुंचाने में मदद करते, जबकि अन्य सदस्य यात्रियों का ध्यान भटकाते थे। इसी दौरान बैग की चेन या लॉक को मास्टर चाबी, पेचकस, ब्लेड और अन्य औजारों से खोलकर उसमें रखे जेवरात और नकदी निकाल ली जाती थी। इसके बाद बैग को इस तरह बंद कर दिया जाता था कि यात्री को तत्काल चोरी का पता नहीं चलता। पुलिस के अनुसार, यदि यात्री सामान को खुद गेट के पास रख देते थे तो गैंग के सदस्य वहां खड़े होकर यह जताते थे कि उन्हें भी अगले स्टेशन पर उतरना है। इसके बाद यात्रियों के सामान के चारों ओर घेरा बनाकर चोरी की जाती थी। वारदात के बाद आरोपी अगले स्टेशन पर उतर जाते और ट्रेन के साथ चल रहे बोलेरो वाहन से फरार हो जाते थे।

पुलिस के अनुसार, वीरेंद्र कुमार उर्फ पिल्ला और सुरेंद्र कुमार गैंग के सरगना हैं। दोनों हरियाणा के रहने वाले हैं और अपने साथियों के साथ देश के अलग-अलग राज्यों में जाकर ट्रेन यात्रियों को निशाना बनाते थे। गैंग के सदस्य फर्स्ट एसी, सेकंड एसी, थर्ड एसी और स्लीपर कोच में सफर करने वाले यात्रियों के सोने-चांदी, हीरे के जेवरात और नकदी पर नजर रखते थे।

बड़वाई पक्षी विहार तालाब के पेटे में अवैध कब्जे का आरोप

- बीते दिनों वृक्षारोपण के नाम पर हटाए गए अतिक्रमण की जगह अब मेघवाल समाज के कुछ लोगों ने धर्मस्थल की आड़ लेकर धार्मिक झंडा गाड़ दिया
- ग्रामीणों का कहना है कि जिस ढांचे को मंदिर का चोला पहनाया जा रहा है, उसमें न तो कोई मूर्ति है और न ही कभी प्राण-प्रतिष्ठा हुई
- ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि अवैध निर्माण तुरंत ध्वस्त नहीं किया गया, तो वे लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे

भींडर/कानोड, (निसं)। परिंदों की सुरक्षित पनाहगाह और पर्यावरण की धरोहर बड़वाई वेटलैंड को अब अतिक्रमियों और वोट बैंक की सियासत निगलने पर आमादा है। उपखंड मुख्यालय से महज नौ किलोमीटर दूर बड़वाई पक्षी विहार तालाब के पेटे में अवैध कब्जे का नया खेल शुरू हो गया है। बीते दिनों वृक्षारोपण के नाम पर हटाए गए अतिक्रमण की जगह अब मेघवाल समाज के कुछ तत्वों ने धर्मस्थल की आड़ लेकर फिर से धार्मिक झंडा गाड़ दिया है। समाज के लोगों ने तालाब पेटे में ही टेंट लगाकर बाकायदा बैठक बुला तालाब के पेटे में धार्मिक झंडा फहराया गया, जिसने पर्यावरण प्रेमियों व पूरे इलाके में तनाव व्याप्त हो गया है।

पर्यावरण कानूनों की धज्जियां उड़ाता यह मामला प्रशासनिक अनदेखी की मिसाल बन चुका है। नियमों के मुताबिक, घोषित वेटलैंड के पेटे से एक तगारी मिट्टी उठाना भी गैर-कानूनी है, तो फिर वहां पक्के निर्माण की बिसात कैसे बिछाई जा रही है? जिला कलेक्टर की सीधी निगरानी वाले इस तालाब की सुरक्षा कागजों तक सीमित रह गई है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस ढांचे को मंदिर का चोला पहनाया जा रहा है, उसमें न तो कोई मूर्ति है और न ही कभी प्राण-प्रतिष्ठा हुई। यह सिर्फ सरकारी जमीन पर डाका डालने का धार्मिक हथकंडा है।

ग्रामीणों में आक्रोश इस बात को लेकर भी है कि जब वे इस अवैध कब्जे की शिकायत लेकर जिला प्रशासन से लेकर संबंधित विभागों के चक्कर काट रहे हैं, तो उनकी सुनवाई के बजाय उल्टी गाज उन्हीं पर गिर रही है। एसीएसटी एक्ट में झूठे मुकदमों में फंसाए जाने के डर से जहां ग्रामीण खुलकर सामने आने से हिचकिचा रहे हैं, वहीं प्रशासनिक लवाजमा मौके पर औपचारिकता पूरी कर लौट जाता है। हैरत की बात यह है कि अफसरों ने अतिक्रमण हटाने के बजाय उसे मंदिर की मान्यता देकर ग्रामीणों के खिलाफ ही डंडा चला दिया है।

आरोप हैं कि कुछ जनप्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंचकर अतिकर्मियों की पीठ थपथपाई और आर्थिक मदद देकर पुन: निर्माण के लिए उकसाया है। अगर तालाब पेटे में इस तरह की अवैध छूट जारी रही, तो कल पूरा गांव तालाब की जमीन पर काबिज हो जाएगा और बड़वाई वेटलैंड इतिहास के पन्नों में दफन होकर रह जाएगा।

प्रशासन की इस एकतरफा और संदिग्ध भूमिका से गुस्साए ग्रामीणों ने अब सीधे न्यायपालिका का रुख करने का अल्टीमेटम दे दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि आखिर कानून की किस किताब में लिखा है कि बिना खातेदारी, बिना मूर्ति और बिना प्राण-प्रतिष्ठा के किसी भी अवैध ढांचे को मंदिर घोषित कर दिया जाए?' ग्रामीणों ने दो टूक चेतावनी दी है कि यदि अवैध निर्माण तुरंत ध्वस्त नहीं किया गया, तो वे लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे।

सीकर से दो दिन में तीन युवतियां लापता

दो युवतियों के परिवार ने युवकों पर शक जता मुकदमा दर्ज करवाया

सीकर, (निसं)। सीकर में दो दिन में तीन युवतियां लापता हो गई हैं। तीनों युवतियां घर से बिना बताए कहीं चली गई हैं। दो युवतियों के परिवार ने युवकों पर शक जताते हुए मुकदमा दर्ज करवाया है।

25 साल की युवती के लापता होने के केस में उसके पिता ने पुलिस में शिकायत दी। इसमें बताया कि मेरी बेटी 21 सितंबर को घर पर परिजनों के साथ सो रही थी। अगले दिन 22 सितंबर की सुबह उठकर देखा तो बेटी नहीं मिली। इसके बाद रिश्तेदारों में भी बेटी की काफी तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। परिजनों के अनुसार एक युवक 1 महीने पहले उनके घर पर आया था, जिसने युवती को उठा ले जाने की धमकी दी थी। 22 साल की युवती के लापता होने के केस में उसके परिवार ने पुलिस में शिकायत दी है। इसमें बताया कि बेटी घर से 21 सितंबर को सुबह करीब 6:30 बजे बिना बताए कहीं चली गई। इसके बाद युवती का कुछ पता नहीं चल पाया। युवती के मोबाइल नंबरों पर एक युवक का कॉल आया हुआ था। अंदेशा है कि वह युवक ही अपने साथ युवती को लेकर चला गया। 24 साल की युवती के लापता होने के केस में उसके भाई ने पुलिस में शिकायत दी। इसमें बताया कि 22 सितंबर को मेरी बहन दोपहर के समय घर से बिना बताए कहीं चली गई।

जोधपुर में काम दिलाने का झांसा देकर मिस्त्री से नगदी लूटी

- नशीला पेय पिलाकर बनाये गये अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल किया

जोधपुर, (कासं)। मंडोर थाना क्षेत्र में ब्लैकमेलिंग और लूट का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक महिला समेत चार लोगों ने प्लास्टर और मार्बल मिस्त्री को काम दिलाने के बहाने बुलाया। इसके बाद उसे नशीला पेय पिलाकर उसके कपड़े उतरवाए और अश्लील वीडियो बना लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपियों ने पीड़ित के दोस्त से 50 हजार रुपए मंगवाए। साथ ही उसकी जेब से 10 हजार रुपए और चांदी की अंगूठी भी छीन ली। पीड़ित की रिपोर्ट पर मंडोर थाना पुलिस ने एक महिला समेत चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

माता का थान क्षेत्र के गांधी नगर निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उसकी पहचान मगजी की घाटी निवासी जेठी नाम की महिला से थी। वह पहले भी उसे छोटे-मोटे काम दिलाती थी। गत 20 सितंबर को दोपहर करीब 12 बजे जेठी ने उसे काम के सिलसिले में कृषि विश्वविद्यालय के पास बुलाया। वह बाइक से मंडोर पुलिया पहुंचा। यहां जेठी उसकी बाइक पर बैठी और उसे बड़ा बेरा स्थित एक मकान पर ले गई। वहां मुन्नाराम बावरी बाहर खड़ा था। आरोप है कि कमरे में पहुंचने के बाद जेठी ने पानी में कुछ मिलाकर पिला दिया। इसके बाद उसे चक्कर आने लगे और वह बेहोशी जैसी हालत में पहुंच गया। उसकी हालत बिगड़ने के बाद मुन्नाराम, हेमाराम और दिनेश कमरे में आ गए। आरोप है कि चारों ने मिलकर उसके कपड़े उतार दिए और जेठी ने उसका अश्लील वीडियो बना लिया। इसके बाद उसके साथ मारपीट की गई।

आरोपियों ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उससे रुपए की मांग की। डर के कारण अपने दोस्त को फोन किया और 50 हजार रुपए देने के लिए कहा। आरोपियों में से एक बाइक लेकर यश अमन अस्पताल के पास पहुंचा, जहां उसके दोस्त ने उसे 50 हजार रुपए दिए। इसके अलावा आरोपियों ने पीड़ित की जेब में रखे 10 हजार रुपए और चांदी की अंगूठी भी छीन ली। घटना के बाद आरोपी पीड़ित को नयापुरा इलाके में छोड़कर फरार हो गए। तबीयत में सुधार होने के बाद पीड़ित मंडोर थाने पहुंचा और पुलिस को पूरी घटना बताई।

महिला सहित तीन लोगों से सात लाख का फ्रॉड

- ठगों ने दो के फोन हैक किए और एक में महिला से एपीके फाइल डाउनलोड करवाई

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट में साइबर ठगी के प्रकरण निरंतर दर्ज बढ़ रहे हैं। पुलिस की बार-बार आमजन से अपील के बावजूद लोग जागरुक नहीं हो रहे हैं। इसके परिणाम स्वरूप साइबर ठगी नहीं रूक रही है। कमिश्नरेट में दो लोगों के मोबाइल फोन हैक कर दिए गए और एक महिला को क्रेडिट के बारे में जानकारी लेकर एपीके फाइल डाउनलोड कराया गया। शातिरों ने इनके बैंक खातों से सात लाख से ज्यादा की रकम निकाल ली। संबंधित थाना पुलिस अब पड़ताल में जुटी है।

बोरानाडा थानाधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि अरिहंत अदिता एंजेला बिल्डिंग में रहने वाली मोनिला ग्रोवर पत्नी सूरज प्रकाश ग्रोवर से ठगी हुई। शातिर ने उनके क्रेडिट कार्ड के संबंध में जानकारी जुटाई और फिर एपीके फाइल को डाउनलोड कराया। शातिर उनसे जानकारी लेता गया और 1 घंटे में ही उनके बैंक खाते से 4 लाख 33 हजार 954 रूपए निकाल लिए गए। पीड़िता की तरफ से साइबर पोर्टल पर भी शिकायत दी गई। दूसरी तरफ बासनी थानाधिकारी नितिन दवे ने बताया कि जीएम सिटी सांगरिया के रहने वाले पुरखाराम पुत्र हिम्मताराम प्रजापत के मोबाइल पर कोई लिंक आया था। जिस पर उसने क्लिक कर दिया और उसका फोन हैक हो गया। इसके बाद उसके बैंक एकाउंट से 1 लाख से ज्यादा की निकासी कर ली गई। घटना 20 सितम्बर की है। मामले में अब पड़ताल जारी है। इधर प्रतापनगर थानाधिकारी रामकृष्ण ताड़ा के अनुसार शिवनाथ नगर सूंथला निवासी अधिवक्ता गौरव पुत्र नारायण दास का फोन 21 सितम्बर को शातिर ने हैक कर दिया और उसके बाद उनके बैंक खाते से 1 लाख 55 हजार रूपए निकाल लिए गए।

हथकढ़ शराब के साथ एक युवक गिरफ्तार

अजमेर, (निसं)। गंज थाना पुलिस ने अवैध हथकढ़ शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से शराब बरामद कर उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। गंज थाने के एएसआई लाल सिंह फौजदार ने बताया कि पुलिस टीम रात्रि में माताजी रोड बोराज क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि एक युवक हथकढ़ शराब लेकर बिक्री करने की फिराक में घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर युवक वहां से भागने लगा, जिस पर पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ और तलाशी के दौरान उसके बैग से हथकढ़ शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी की पहचान सोनू सिंह के रूप में की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है तथा शराब की बरामदगी और उसके अवैध कारोबार से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

दिनदहाड़े मकान में चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती लूणी स्थित कालीजाल गांव में एक घर में दिनदहाड़े चोरी हो गई। परिवार के लोग खेत पर गए थे। वापिस शाम को लौटे तब चोरी का पता लगा। अज्ञात चोर घर से 7-8 तोला सोना, 15-20 तोला चांदी और 8 हजार की नगदी चुरा ले गए। सूचना पर पुलिस ने मौका मुआयना है। आसपास कोई सीसीटीवी आदि नहीं है। घर भी सड़क पर सूनी जगह पर आया हुआ है।

लूणी थाने के एएसआई मुकेश कुमार ने बताया कि कालीजाल निवासी राजेंद्र पुत्र मेहराराम जाट ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि 21 सितम्बर को वह लूणावास गांव में मंदिर पर गया था। बाद में सुबह दस बजे उसके मां पिता खेत पर कार्य करने चले गए। इस बीच घर सूना था। अज्ञात चोरों ने ताले तोड़कर प्रवेश किया और वहां से 7-8 तोला सोना, 15-20 तोला चांदी और 8 हजार की नगदी चुरा ले गए। एएसआई मुकेश कुमार ने बताया कि घटना को लेकर मौका मुआयना किया गया है।

भीलवाड़ा के आसींद में मामूली विवाद में युवक पर हमला, हालत गंभीर

- पानी की वॉटर कैन को लेकर आपसी कहासुनी हो गई थी
- हमले में सिर पर गंभीर चोटें आने से युवक लहूलुहान होकर गिर पड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। आसींद कस्बे में पानी की केन को लेकर हुए मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। बीएसएनएल ऑफिस के पास दबंगों ने एक युवक पर लोहे के सरियों और लाठियों से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में सिर पर गंभीर चोटें आने से युवक लहूलुहान होकर गिर पड़ा। घटना के बाद आसपास के लोगों ने घायल को आसींद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कस्बे में वाटर सप्लाई का काम करने वाले हरजीराम गुर्जर और कावलाश निवासी दिलखुश तेली के बीच पानी की वॉटर कैन को लेकर कहासुनी हो गई थी। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी पक्ष ने अपनी पिकअप गाड़ी से लोहे के सरिये निकाल लिए और दिलखुश पर ताबड़तोड़ वार करने शुरू कर दिए। आरोपियों ने युवक के सिर और शरीर पर कई वार किए। चीख-पुकार सुनकर जब आसपास के दुकानदार और राहगीर मौके पर जुटने लगे, तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए पिकअप गाड़ी सहित मौके से फरार हो गए।

स्थानीय लोगों ने घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया।

स्थानीय लोगों ने तुरंत खून से लथपथ दिलखुश को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज जारी है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस अस्पताल व मौका-ए-वारदात पर पहुंची और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

बीकानेर जिले के छह सरकारी स्कूलों को नए भवन मिलेंगे

छह भवनविहीन स्कूलों पर 10.98 करोड़ खर्च होंगे

बीकानेर, (निसं)। जिले के छह सरकारी स्कूलों को जल्द ही नए भवन मिलेंगे। इन विद्यालयों में भवन निर्माण के साथ पढ़ाई के लिए जरूरी आधुनिक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद ने नाबार्ड के आरआईडीएफ-32 के तहत जिले के छह स्कूलों के लिए कुल 10.98 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की है। प्रदेश स्तर पर इसी योजना के तहत 472 सरकारी स्कूलों के लिए 401.03 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। स्वीकृत राशि का उपयोग केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं रहेगा। इसके तहत स्कूलों में फर्नीचर, लैब उपकरण, स्मार्ट क्लासरूम के साथ बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं भी विकसित की जा सकेंगी।

गौरतलब है कि जिले में 94 राजकीय विद्यालय भवन पूर्णत: जर्जर हैं। इनमें से 91 विद्यालयों को जर्मीदोज करने के आदेश जारी किए जा चुके हैं। शेष तीन विद्यालयों के मामलों में अलग-अलग स्थिति है। इनमें एक विद्यालय का नाम सूची में दो बार दर्ज है, जबकि एक विद्यालय आंगनबाड़ी केन्द्र और एक किराये के भवन में संचालित हो रहा है। जिले में 18 विद्यालयों के नवीन भवन निर्माण के कार्य स्वीकृति के बाद प्रगति पर हैं। इनमें 8 विद्यालयों में निर्माण कार्य समसा तथा 10 विद्यालयों में मार्केटिंग बोर्ड के माध्यम से कराया जा रहा है। अब नाबार्ड-32 के तहत छह और विद्यालयों को भवन निर्माण के लिए बजट मिल गया है। वहीं, शेष 67 विद्यालयों के भवन निर्माण के प्रस्ताव राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर को भेजे जा चुके हैं। इन विद्यालयों के लिए स्वीकृति मिलने के बाद भवन निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

कृष्ण कुमार बिश्नोई, एडीपीसी, समग्र शिक्षा का कहना है कि जिले के जर्जर छह स्कूल भवनों के लिए स्कूल शिक्षा परिषद से 10.98 करोड़ रुपए बजट की प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हुई है। शेष स्कूलों के लिए प्रस्ताव बनाकर राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद को भिजवाए गए हैं। इसके अलावा 18 स्कूलों में कार्य चल रहा है। बजट की राशि प्राप्त होते ही शेष स्कूलों में भी काम शुरू करवाया जाएगा।

आदिवासियों की जमीनों पर नाम बदलने और पट्टों के नाम पर अवैध वसूली का विरोध

- जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपकर मामले में कार्रवाई करने और आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन रोकने की मांग की

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में आदिवासी किसानों की जमीनों पर नाम बदलने के मौखिक दबाव और वन भूमि के पट्टों के नाम पर अवैध वसूली के विरोध में प्रदर्शन किया। राजस्थान शेड्यूल एरिया संघर्ष समिति, शेड्यूल एरिया ग्रामसभा और राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद ने मिलकर कलैक्ट्रेट पर यह प्रदर्शन किया। इसके बाद जिला कलैक्टर को राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया।

राजस्थान शेड्यूल एरिया संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष शंकरलाल कटारा ने बताया कि अनुसूचित क्षेत्र में आदिवासी किसानों की जमीनों पर कई सालों से जुर्माना लग रहा है। प्रशासन मौखिक दबाव बनाकर परिवार के दूसरे सदस्यों के नाम पर नए जुर्माने के नोटिस जारी कर रहा है। पहले से चल रहे नामों को बदलकर नए नाम से नोटिस जारी करने की वजह से वरीयता अवधि पर असर पड रहा है। इससे किसानों को कानूनी और आर्थिक नुकसान हो रहा है। उन्होंने मांग की है कि यह असंवैधानिक दबाव और नाम बदलने की कार्रवाई तुरंत बंद की जाए। कटारा ने वन विभाग दोवडा के कामकाज पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि वन भूमि पर जिन आदिवासियों का कब्जा है और जिन्हें वन अधिकार कानून तथा पैसा एक्ट के तहत पहले पट्टे दिए गए थे, उन्हें अब विभाग यह कहकर गुमराह कर रहा है कि उनके पट्टे रद्द कर दिए गए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि नए पट्टे जारी करने के बदले में किसानों से 5-5 हजार रुपये जमा करने की मांग की जा रही है, लेकिन इसके लिए कोई पक्की रसीद नहीं दी जा रही है। समिति ने जिला कलेक्टर को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर इस मामले में कार्रवाई करने और आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन रोकने की मांग की है।

चार गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं जिला पुलिस ने न्यायालयों से जारी वारंटों की पालना को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग थाना क्षेत्रों से चार वांछित वारंटियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में एनआई एक्ट, स्थायी गिरफ्तारी वारंट, पारिवारिक न्यायालय के स्थायी वारंट तथा मारपीट के प्रकरण में वांछित आरोपियों को पकड़ा गया। इनमें एक वारंटी करीब दो साल से फरार चल रहा था, जबकि महिला थाना पुलिस ने एक स्थायी वारंटी को अहमदाबाद से गिरफ्तार किया।

मलसीसर थाना पुलिस ने गिरफ्तारी वारंट की पालना करते हुए सांवरमल पुत्र गोविंद निवासी वार्ड नंबर 19 मलसीसर को गिरफ्तार किया। वहीं महिला पुलिस थाना झुंझुनूं ने न्यायिक मजिस्ट्रेट झुंझुनूं द्वारा जारी स्थायी गिरफ्तारी वारंट में वांछित इमरान पुत्र गुलाब नबी उर्फ गुलाम भाई, निवासी पीपली चौक झुंझुनूं, हाल निवासी मदीन अपार्टमेंट, दानिलिमडा, अहमदाबाद, गुजरात को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। धनूरी थाना पुलिस ने पारिवारिक न्यायालय चूरू द्वारा जारी स्थायी वारंट की पालना करते हुए वारंटी भवानीसिंह उर्फ विजेन्द्रसिंह पुत्र प्रीतम सिंह निवासी रिजाणी को गिरफ्तार किया। वहीं मण्डेला थाना पुलिस ने मारपीट के प्रकरण में न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय पिलानी से जारी गिरफ्तारी वारंट की पालना करते हुए रोहिताश पुत्र रामूराम, निवासी मनफरा थाना मण्डेला को गिरफ्तार किया।

चलती ट्रेन में महिला ने बच्चे को जन्म दिया

कोटा, (निसं)। कोटा चलती ट्रेन में प्रसव पीड़ा से जूझ रही महिला यात्री को समय पर चिकित्सा सुविधा मिलने से ट्रेन में एक स्वस्थ बेटे को जन्म देने का मामला सामने आया है। मामले में सामने आया कि गाड़ी संख्या 22674 मन्नारगुडी-जोधपुर एक्सप्रेस में सफर कर रही 26 वर्षीय महिला को चलती ट्रेन में प्रसव पीड़ा हुई, रेल मदद के माध्यम से सूचना मिलते ही रेलवे ने तत्काल चिकित्सा सहायता की व्यवस्था की एवं सवाई माधोपुर स्टेशन पर मेडिकल टीम ने मां और नवजात की जांच कर आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया, दोनों स्वस्थ पाए गए।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि महिला यात्री शारदा अपने पति और परिवार की पांच-छह महिला सदस्यों के साथ ट्रेन के सामान्य श्रेणी के कोच में जोधपुर जा रही थीं। ट्रेन के कोटा स्टेशन से रवाना होने के बाद अचानक उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हो गई, इस दौरान एक यात्री ने रेल मदद के माध्यम से कोटा वाणिज्य नियंत्रण कक्ष को स्थिति की जानकारी दी। सूचना मिलते ही कोटा वाणिज्य नियंत्रण कक्ष ने तत्काल सवाई माधोपुर के स्टेशन प्रबंधक देशराज मीणा को सूचित किया। उन्होंने बिना समय गंवाए रेलवे चिकित्सालय की मेडिकल टीम को अलर्ट कर स्टेशन पर आवश्यक चिकित्सा सहायता की व्यवस्था कराई। इसी बीच चलती ट्रेन में महिला ने एक बेटे को जन्म दिया। ट्रेन के सवाई माधोपुर स्टेशन पहुंचते ही वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामराज मीणा, महिला स्वास्थ्य सहायक कविता, वरिष्ठ नर्सिंग अधीक्षक जावेद खान और नाइट वॉचमैन दिनेश की टीम तत्काल मां और नवजात की सहायता के लिए पहुंची। चिकित्सकीय जांच में दोनों स्वस्थ पाए गए। टीम ने प्रसव के बाद महिला को आवश्यक उपचार एवं दवाइयां उपलब्ध कराईं। मां और नवजात की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चिकित्सक ने महिला को ट्रेन से उतरकर अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी।

तबियत बिगड़ने से कैदी की मौत

कोटा, (निसं)। कोटा केन्द्रीय कारागृह में पॉस्को एक्ट में बंद एक कैदी की तबियत बिगड़ने से एमबीएस अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार 30 वर्षीय कैदी को तबियत बिगड़ने पर बुधवार को अस्पताल लाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जेल अधीक्षक भैरू सिंह राठौड़ ने बताया कि कैदी बूंदी जिले का रहने वाला था और जुलाई 2024 से पॉक्सो एक्ट के मामले में जेल में बंद था। पहले से ही सीने की बीमारी से पीड़ित था और मेडिकल कॉलेज में उसका इलाज चल रहा था। 3 सितंबर को भी उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया था। जेल अधीक्षक ने बताया कि बुधवार तड़के अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई, कैदी को बैचेनी होने लगी और सीने में दर्द की शिकायत सामने आई। तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही जेल प्रशासन ने तत्काल एंबुलेंस की मदद से कैदी को एमबीएस अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

मौसम बदलते ही चर्म रोगी बढ़े

अजमेर, (निसं)। मौसम में बदलाव के साथ मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। इसके साथ ही अब चर्म रोग से संबंधित शिकायतें लेकर अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों की संख्या में भी इजाफा देखने को मिल रहा है। अजमेर संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के चर्म रोग विभाग की ओपीडी के बाहर इन दिनों मरीजों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं।

जयसमंद झील में दो युवक डूबे, मौत

- गणपति मूर्ति विसर्जन करने के दौरान हुआ हादसा, एक की तलाश जारी

उदयपुर, (निसं)। सलूम्बर जिले में स्थित जयमसन्द झील में गणपति जावद गांव से मूर्ति विसर्जन करने पहुंचे युवक सहित दो जनों की मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार सांय सलूम्बर जीले के जावद मोती काकर गांव से ग्रामीणों की भीड़ गणपति मूर्ति विसर्जन करने के लिए जयमसंद झील पहुची। जहां मूर्ति विसर्जन के दौरान पांव फिसलने पर पानी में एक युवक एवं एक किशोर की डूबने से मौत हो गई।

इसको देख ग्रामीणों ने तुरंत पानी में डूबे एक व्यक्ति को बाहर निकाला जिसकी शिनाख्त मोती काकर जावद निवासी मावाराम (15) पुत्र शंकरलाल के रूप में कर परिजन उसे उपचार के लिए उदयपु निजी चिकित्सालय ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जबकि दूसरे व्यक्ति की शिनाख्त शंकरलाल (25) पुत्र जवानलाल के रूप में की है, जिसकी तलाश की लेकिन सुराग नहीं लगा। इस पर उदयपुर से सडीआर एफ की टीम बुलवाई हैं। जिसके पहुंचने के बाद मृतक की तलाश शुरू की जायेगी।